गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 066
दि. 05.07.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

प्रधानमंत्री मोदी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, बोले- संकट में भी जनता पर नहीं पड़ने दिया बोझ

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के बालोतरा में विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पैदा हुए 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट का भारत ने इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नीतियों और प्रभावी कूटनीति के दम पर सफलतापूर्वक सामना किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार केवल परियोजनाओं का शिलान्यास नहीं करती, बल्कि उन्हें समय पर पूरा भी करती है। इस दौरान उन्होंने राजस्थान रिफाइनरी, जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल, उड़ान योजना, जयपुर मेट्रो विस्तार और शेखावटी जल परियोजना समेत कई विकास कार्यों का उल्लेख किया।

राजस्थान की विकास परियोजनाओं का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान की धरती ने हमेशा स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी हजारों लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनेगी और राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल, उड़ान योजना के नए चरण, जयपुर मेट्रो विस्तार और शेखावटी क्षेत्र की जल परियोजना जैसे कार्य राजस्थान के विकास को नई दिशा देंगे। उन्होंने 54 हजार युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र मिलने पर भी बधाई दी।

ऊर्जा संकट से निपटने की रणनीति बताई

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण दुनिया ऊर्जा संकट से जूझ रही है, लेकिन भारत ने समय रहते सही निर्णय लेकर इस संकट का प्रभाव कम किया। उन्होंने कहा कि संकट के दौरान रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार किया गया, जिससे सात दिनों के भीतर एलपीजी उत्पादन 35 हजार

मीट्रिक टन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंच गया। साथ ही पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन तेजी से बढ़ाए गए और कम समय में 11 लाख से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ा गया।

घरेलू उपभोक्ताओं पर बोझ नहीं पड़ने दिया

प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध की परिस्थितियों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 2,000 रुपए तक पहुंच सकती थी, लेकिन सरकार ने आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब भी 900 रुपए से कम में उपलब्ध है, जबकि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को यह 650 रुपए से भी कम कीमत पर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बड़ी कटौती की है।

डीजल-पेट्रोल संकट और कूटनीति का किया जिक्र

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। इसके बावजूद भारत में ईंधन की आपूर्ति बाधित नहीं होने दी गई। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच तेल कंपनियों ने 75 हजार करोड़ रुपए से अधिक का घाटा उठाया, जबकि सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में प्रति लीटर 10 रुपए की कटौती कर आम जनता को राहत दी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी कूटनीति के जरिए ईंधन आयात करने वाले देशों की संख्या 25-26 से बढ़ाकर 40 से अधिक कर दी।

रिफाइनरी क्षमता और कांग्रेस पर निशाना

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी के लिए 2017 में समझौता हुआ था, लेकिन 2018 से 2023 तक राज्य में कांग्रेस सरकार के दौरान परियोजना की गति धीमी रही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद काम तेज हुआ और आज इसका लोकार्पण हो सका। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला देश बन चुका है और आने वाले वर्षों में यह क्षमता और बढ़ेगी।

किसानों और एमएसएमई के लिए उठाए गए कदम गिनाए

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक संकट के बावजूद किसानों को 3,000 रुपए से अधिक कीमत वाली यूरिया की बोरी केवल 300 रुपए में उपलब्ध कराई गई और इसके लिए सरकार ने भारी सब्सिडी दी। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की व्यवस्था की गई और घरेलू उत्पादन बढ़ाया गया। साथ ही एमएसएमई क्षेत्र को राहत देने के लिए इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी योजना के तहत अतिरिक्त ऋण और 100% सरकारी गारंटी प्रदान की गई।

पर्यावरण संरक्षण और सौर ऊर्जा पर जोर

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत खेजड़ी का पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं हैं और यहां विश्वस्तरीय सोलर पार्क विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राज्य में डेढ़ लाख से अधिक घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है, जबकि पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार से अधिक सोलर पंप किसानों को दिए गए हैं।

शेखावटी जल परियोजना का किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने राज्यों के बीच समन्वय से राजस्थान की जल समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान और हरियाणा के बीच हुए समझौते के तहत हथिनीकुंड बैराज से शेखावटी क्षेत्र तक पानी पहुंचाया जाएगा। लगभग 34 हजार करोड़ रुपए की इस परियोजना से सीकर, चूरू, झुंझुनूं समेत पूरे शेखावटी क्षेत्र के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में अपर यमुना बेसिन की परियोजनाओं के पूरा होने पर राजस्थान को और अधिक पानी उपलब्ध होगा।

विकसित राजस्थान और विकसित भारत का संकल्प

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2, जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल और अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाएं राजस्थान के विकास को नई गति देंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डबल इंजन सरकार के सहयोग से राजस्थान विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यूपी चुनाव 2027: बीजेपी की महाबैठक में मिली जीत की चाबी? अध्यक्ष नितिन नवीन और सीएम योगी रहे शामिल

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बीजेपी ने अभी से अपनी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है. इसी कड़ी में लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में एक अहम बैठक हुई. करीब ढाई घंटे तक चली इस बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और आगामी विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की.

लखनऊ के भाजपा कार्यालय में जोश हाई! नितिन नवीन का सीएम योगी और पंकज चौधरी ने किया स्वागत

(जीएनएस)।

लखनऊः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहली बार उत्तर प्रदेश पहुंचे हैं। राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सुरक्षा के बीच रथ पर सवार होकर हजरतगंज स्थित भाजपा कार्यालय पहुंए। जहां कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। नितिन नवीन ने कार्यकताओं का जोश देखकर उत्साहित नजर आए। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं के ऊपर फूलों की माला फेंकी। साथ ही गुब्बारे आसमान में छोड़े।

अगले साल प्रस्तावित उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार को अपने पहले दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे पर लखनऊ पहुंचे। खनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह,

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान समेत राज्य सरकार के मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक करीब 18 किलोमीटर के मार्ग पर 50 से अधिक स्थानों पर उनका स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विशेष रथ पर सवार होकर रोड शो के लिए रवाना हुए। उनके साथ रथ पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी मौजूद हैं। रोड शो के जरिए भाजपा राजधानी में शक्ति प्रदर्शन करते हुए कार्यकताओं में उत्साह का संचार किया। 9 दिन पहले घोषित नई प्रदेश टीम के गठन के बाद यह पहला अवसर है, ष्ट्रीय अध्यक्ष सीधे प्रदेश पदाधिकारियों से संवाद करेंगे।

माना जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन की जिम्मेदारियों और चुनावी रणनीति को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

भाजपा के अनुसार, दो दिवसीय प्रवास के दौरान नितिन नवीन प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला अध्यक्षों और विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक करेंगे। इसके अलावा मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, एनडीए सहयोगी दलों के नेताओं और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से भी मुलाकात करेंगे। प्रदेश मुख्यालय में संगठनात्मक बैठक के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान सेतु मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, भाजपा सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक करेंगे।

आज देर शाम प्रमुख हस्तियों से करेंगे संवाद

इसी दिन प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक भी प्रस्तावित है। देर शाम वह पद्मश्री सम्मानित डॉ. विद्या बिंदु सिंह के आवास पर विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रात्रिभोज का कार्यक्रम निर्धारित है। दौरे के दूसरे दिन रविवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर संवाद करेंगे। इसके बाद वह एनडीए नेताओं की संयुक्त बैठक में हिस्सा लेंगे। साथ ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक से अलग-अलग मुलाकात कर संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम मोदी को जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी मेलबर्न पुलिस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 जुलाई के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मेलबर्न में आयोजित होने वाले कम्युनिटी प्रोग्राम को ऑनलाइन धमकी मिली है. ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदिग्ध सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े क्ढ एड्रेस की पहचान भी कर चुकी है.

(जीएनएस)।

नरेंद्र मोदी के 9 जुलाई को प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं. मेलबर्न में आयोजित होने वाले 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस (AFP) ने जांच शुरू कर दी है.

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकी फेसबुक पर उस पोस्ट के नीचे दी गई थी, जिसमें मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित होने वाले कम्युनिटी प्रोग्राम का प्रचार किया जा रहा था. यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे का प्रमुख आकर्षण

माना जा रहा है.

रिपोर्ट के मुताबिक, 'अबू मुस्तफा' नाम के एक फेसबुक अकाउंट से टिप्पणी की गई, जिसमें लिखा था, "बेहतर होगा कि कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम की छत बंद रहे, वरना वह ऑस्ट्रेलिया अपनी मौत के लिए आ रहे हैं." इस पोस्ट के सामने आने के तुरंत बाद मामले को ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस के पास भेज दिया गया.

जांच एजेंसी ने क्ढ एड्रेस की कर ली पहचान

बताया जा रहा है कि जांच एजेंसियों ने इस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े क्ढ एड्रेस की पहचान कर ली है और अब यह पता लगाया जा रहा है कि यह टिप्पणी किसने की और इसके पीछे क्या मंशा थी. साथ ही अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस मामले में किसी आपराधिक कानून का उल्लंघन हुआ है.

हालांकि ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस ने अभी तक जांच को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन स्थानीय मीडिया का कहना है कि किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को दी गई धमकी को ऑस्ट्रेलिया की सुरक्षा एजेंसियां बेहद गंभीरता से लेती हैं.

कई एजेंसियों के पास होगी पीएम मोदी की सुरक्षा की जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी कई एजेंसियों के पास होगी. इसमें ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस, राज्य पुलिस और विशेष सुरक्षा इकाइयां शामिल रहेंगी. सभी कार्यक्रमों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जा रही है.

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान द्विपक्षीय वार्ताओं में हिस्सा लेने के साथ-साथ भारतीय

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने UAPA के तहत भर्ती करने से लेकर हमला करने तक, 23 और पाकिस्तानी कुख्यात अपराधियों को आतंकवादी किया घोषित

(जीएनएस)।

केंद्र सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को और सख्त करते हुए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत 23 और कुख्यात अपराधियों को आतंकवादी घोषित कर दिया है। हाल के सालों में किसी एक सूची में इतने अधिक व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित करने की यह सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है।

गृह मंत्रालय का कहना है कि इस कार्रवाई का मकसद पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) से संचालित आतंकी नेटवर्क को कमजोर करना है। सूची में शामिल सभी आरोपी जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और उनके सहयोगी संगठनों से जुड़े बताए गए हैं। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, ये लोग भारत में आतंकी गतिविधियों, घुसपैठ और भर्ती जैसी साजिशों में शामिल रहे हैं।

सरकार का मानना है कि इन 23 लोगों को UAPA की चौथी अनुसूची में शामिल करने से उनके नेटवर्क, फंडिंग और भर्ती करने वाले सिस्टम पर प्रभावी कार्रवाई करना आसान होगा। साल 2019 में UAPA में हुए संशोधन के बाद सरकार को सीधे किसी व्यक्ति को आतंकवादी घोषित करने का अधिकार मिला था। इससे ऐसे लोगों के वित्तीय लेन-देन और गतिविधियों पर देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नजर रखना आसान हो जाता है।

नई लिस्ट में मसूद इलियास कश्मीरी का नाम प्रमुख है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, वह आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण और भारत में घुसपैठ कराने में शामिल रहा है। उसे 2022 में जम्मू के सुंजवां सैन्य शिविर पर हुए हमले का मुख्य साजिशकर्ता भी माना जाता है।

इसके अलावा मोहम्मद मुसद्दीक को भी आतंकवादी घोषित किया गया है। उस पर सीमा पार से घुसपैठ कराने और सोशल मीडिया के जरिए भारतीय युवाओं को आतंकी संगठनों में भर्ती करने का आरोप है। वहीं मुफ्ती मुहम्मद असगर खान पर 2016 के नगरोटा सेना शिविर हमले का मास्टरमाइंड होने का आरोप है, जिसमें 7 भारतीय जवान शहीद हुए थे। अब्दुल्लाह जिहादी का नाम भी सूची में शामिल है, जिस पर आतंकी शिविरों के संचालन और घुसपैठ कराने का आरोप है।

लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क पर भी शिकंजा

गृह मंत्रालय ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई बड़े नामों पर भी कार्रवाई की है। इनमें फिरदौस अहमद भट पर जम्मू-कश्मीर में विदेशी आतंकियों की घुसपैठ और हथियारों की सप्लाई कराने का आरोप है। वहीं हारून रशीद गनई पाकिस्तान से भारतीय युवाओं की भर्ती और हथियारों की व्यवस्था संभालता था।

सांसद अशोक मित्तल ने केतन अग्रवाल मर्डर केस के बाद राष्ट्रीय पुरुष आयोग बनाने की कर दी मांग

(जीएनएस)।

पुणे के बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की रहस्यमयी मौत का यह मामला अब केवल एक आपराधिक जांच तक सीमित नहीं रह गया है। सोशल मीडिया पर न्याय की मांग के साथ शुरू हुई यह आवाज अब संसद की दहलीज तक पहुंच चुकी है। मंगेतर सिया गोयल द्वारा खौफनाक साजिश रचकर केतन अग्रवाल की हत्या के मामले के बाद पुरुष भयभीत हैं।

पुरुषों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को लेकर ये बेहद संवेदनशील मुद्दा संसद के उच्च सदन राज्यसभा में उठाया गया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल ने देश में 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग' के गठन की जोरदार वकालत की। उन्होंने इस मांग के पीछे मानसिक प्रताड़ना का शिकार हुए केतन अग्रवाल की दुखद मौत का प्रमुख रूप से हवाला दिया।

सांसद अशोक मित्तल ने

शून्यकाल में ये मुद्दा उठाया। इसके बाद इन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा, पुणे का केतन अग्रवाल मामला बहुत परेशान करने वाला है। केतन और उनके परिवार को निष्पक्ष, पूरी और बिना किसी भेदभाव के जांच मिलनी चाहिए, और सबसे बढ़कर, उन्हें न्याय मिलना चाहिए।

मैंने संसद में 'नेशनल कमीशन फॉर मेन बिल' पेश किया था। हर पीड़ित को न्याय, मदद और कानून के तहत समान सुरक्षा मिलनी चाहिए। केतन का मामला यह याद दिलाता है कि पुरुष भी पीड़ित हो सकते हैं। उन्हें संस्थागत मदद, कानूनी सुरक्षा और एक ऐसा मंच मिलना चाहिए जहां उनकी बात सुनी जा सके। लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना, न्याय सभी के लिए समान होना चाहिए।

अशोक मित्तल राज्यसभा सांसद हैं। अप्रैल 2022 से आम आदमी पार्टी से सांसद बने थे लेकिन 24 अप्रैल 2026 को डॉ. अशोक मित्तल ने राघव चड्ढ़ा और संदीप पाठक के साथ एक प्रेस कान्फ्रेंस कर आप से इस्तीफा दे दिया था।

सम्पादकीय

ईरान को जल्द मिलेंगे फंसे हुए अरबों डालर

ईरान–अमेरिका के युद्ध में कितनी तबाही हुई है, बताने की जरूरत नहीं है लेकिन संभव है कि ईरान को वास्तव में इस युद्ध से लाभ हो सकता है। यह मैं इसलिए कहा रहा हूं कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने हाल ही में बड़ा ऐलान किया। दावा किया गया कि कतर में पंसी ईरान की 12 अरब डॉलर की राशि में से 6 अरब डॉलर जल्द जारी कर दिए जाएंगे।

कुम शहर में एक कार्यव्रम के दौरान उन्होंने कहा कि ऐसा ईरान–अमेरिका डील के तहत असेट रिलीज करने की पहली किश्त होगी जो उसे कतर से मिलेगी। उन्होंने यह महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता और इस्लामाबाद में हुए समझौते के तहत यह राशि रिलीज हो रही है। बाकी 6 अरब डॉलर की वापसी के लिए भी सरकार लगातार कोशिशें कर रही है। पेजेशकियन ने बताया कि शांति समझौते के तहत ईरान के तेल और पेट्रोवैमिकल क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध हटा दिए गए है।

उन्होंने इसे ईरानी जनता की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों के हटने से देश की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी। ईरान की अर्ध सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर ने राष्ट्रपति के बयान को प्रमुखता से प्रकाशित किया है। राष्ट्रपति ने हाल के संघर्ष का जिव्र करते हुए ईरानी जनता की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम लीडर, मंत्री, सेना कमांडर, बुद्धिजीवी और आम नागरिक भी संकट के समय एकजुट रहे। राष्ट्रपति ने बताया कि संघर्ष के बाद सरकार पुर्ननिमाण कार्य शुरू कर चुकी है। आम लोगों को रहात देने के लिए खाद्दा सब्सिडी बढ़ाने और अतिरित्त वित्तीय सहायता देने की योजनाएं भी लागू की जा रही हैं। ईरान के इस दावे से उम्मीद है कि देश की अर्थव्यवस्था को वुछ राहत मिलेगी। कतर में पंसा पैसा रिलीज होने से तेल निर्यात और अन्य क्षेत्रों में सुधार आ सकता है।

यह घटनाम ईरान की विदेश नीति और आर्थिक रणनीतिक में नई दिशा दिखाता है, हालांकि अब तक ईरान में होने वाले 300 बिलियन डॉलर के निवेश को लेकर कोई बात साफ नहीं हुई है। ये पंड कहां से आएगा, कब आएगा इस पर वुछ नहीं कहा गया।

विदेशों में ईरान की वुल जब्त या प्रतिबंधित संपत्ति का अनुमान लगभग 100 अरब डॉलर है। इस प्रतिबंधित खातों में तेल से होने वाली कमाई, विदेशी मुद्रा भंडार, बैंकिग संपत्ति व अन्य दावे शामिल हैं। पहली बार बड़े पैमाने पर संपत्ति तब प्रीज की गई, जब ईरान में इस्लामिक व्रांति हुई और अमरीरिकी दूतावास में बंधक संकट पैदा हुआ। 14 नवम्बर 1979 को ईरानी व्रांतिकारियों द्वारा तेहरान में अमेरिकी दूतावास पर कब्जा करने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में मौजूद ईरानी सरकार की संपत्ति को ब्लॉक कर दिया। 1980 में ईरान सरकार की लगभग 12 अरब डॉलर की संपत्ति जब्त की गई थी जो ज्यादातर अमेरिकी बैंकों में थी। इसमें नकद, सोना, कई अन्य होल्डिंग्स शामिल थी। इसमें से अधिकांश संपत्ति 1981 के अल्जीयर्स समझौते के तहत जारी कर दी गई थी, जिससे बंधक संकट समाप्त हुआ था। लगभग 4 महीने के युद्ध के बाद अमेरिका–ईरान शांति समझौते की रूपरेखा पर सहमत हुए हैं। इसके बावजूद ईरान की जब्त संपत्तियों पर अड़चन बनी हुई है। एक तरफ ईरान ने 14 सूत्री समझौते के हवाले से रिपोर्ट दी है कि अमेरिका बातचीत शुरू होने से पहले जब्त संपत्ति जारी करने पर सहमत हो। पर ट्रंप के कई बार विरोधाभासी बयानों ने स्थिति को असमंजस में डाल रखा है।

यूपी चुनाव 2027 के लिए चक्रव्यूह की रचना के लिये मिले दो दिग्गज

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले लखनऊ का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है. अयोध्या में चढ़ावा कांड के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ पहुंच गए हैं. सीएम योगी आदित्यनाथ सहित राज्य के दोनों डिप्टी सीएम ने एयरपोर्ट पर नितिन नवीन का स्वागत किया. इस दौरान सीएम योगी ने सबसे पहले नितिन नवीन के गले में भगवा पटका पहनाया. इसके बाद दोनों ने मंद–मंद मुस्कुराया. दोनों की इस मुस्कुराहट बता रहा है कि यूपी चुनाव 2027 के लिए चक्रव्यूह की रचना दिल्ली से लखनऊ पहुंच गया है.

(जीएनएस)।

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव का बिगुल अभी भले ही दूर हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने जमीनी स्तर पर अपनी गोटियां सेट करना शुरू कर दिया है. इसी सिलसिले में शनिवार को देश की सियासत के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बेहद खास और अहम हलचल देखने को मिली. दिल्ली की सियासी गलियारों से निकलकर बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय सांगठनिक दौरे पर सीधे नवाबों के शहर लखनऊ पहुंचे हैं.

हवाई अड्डे पर जब नितिन नवीन उतरे, तो उनके सीएम योगी ने सबसे पहले उनके गले में चमचमाता हुआ भगवा पटका पहनाया. दोनों के चेहरे पर आत्मविश्वास से भरी गहरी मुस्कान थी. खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एयरपोर्ट पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का बेहद भव्य और जोशीला स्वागत किया. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम भी मौजूद थे.

योगी–नवीन की मुलाकात के राजनीतिक मायने

इस खास मुलाकात के बाद सियासी गलियारों में यह साफ मैसेज चला गया है कि बीजेपी आलाकमान और सीएम योगी की यह जोड़ी आगामी यूपी चुनाव 2027 के लिए

एक अभेद्य किला तैयार करने में जुट गई है. राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का उत्तर प्रदेश में यह दूसरा दौरा है, इससे पहले वह पीएम मोदी की मन की बात कार्यक्रम में मथुरा में सीएम योगी के साथ मंच शेयर कर चुके हैं. लेकिन अब यूपी चुनाव 2027 के लिए प्रदेश की नई सांगठनिक टीम के गठन के तुरंत बाद यह दौरा हो रहा है. उनके इस मुस्कुराते हुए चेहरे और भगवा पट्टे के पीछे एक बेहद मजबूत और कड़ा राजनीतिक संदेश छिपा हुआ है.

योगी और नवीन की जोड़ी की क्या है तैयारी?

पिछले कुछ समय से उत्तर प्रदेश संगठन और सरकार के बीच चल रही कथित अनबन की अटकलों को इस दौरे ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है. एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का खुद अगवानी के लिए खड़े होना यह दिखाता है कि केंद्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार पूरी तरह एक है. गले में भगवा पट्टा इस बात का साफ प्रतीक है कि बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपनी मूल विचारधारा हिंदुत्व के कोर एजेंडे से रत्ती भर भी पीछे हटने वाली नहीं है, बल्कि इसे सीएम योगी के 'लॉ एंड ऑर्डर' और विकास मॉडल के साथ जोड़कर 2027 के रण में उतरा जाएगा. अयोध्या कांड के बाद नवीन का यह पहला दौरा है.

दो दिनों के महा–मंथन में क्या प्लानिंग करेगी 'योगी–नवीन' की जोड़ी?

नितिन नवीन लखनऊ में रहकर मैराथन बैठकें कर रहे हैं. सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, दोनों उपमुख्यमंत्री और आरएसएस के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर आगामी तीन दिनों के रोडमैप पर मुख्य रूप से इन 3 बड़े बिंदुओं पर चक्रव्यूह रचा जा रहा है:

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखनऊ के राज्य मुख्यालय में नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ–साथ 'शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन' को भी संबोधित करेंगे. बीजेपी का पुराना नारा रहा है, 'बूथ जीता तो चुनाव जीता'. लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों से सबक लेते हुए, बीजेपी इस बार अति–आत्मविश्वास से बचकर हर छोटे मोर्चे पर बारीकी से काम कर रही है.

पार्टी सूत्रों का कहना है 'नितिन नवीन का यह दो दिवसीय दौरा यूपी के कार्यकताओं में वह 'इलेक्ट्रिक एनर्जी' भरने आया है जिसकी जरूरत आगामी चुनावी जंग के लिए है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इस पूरी रणनीति की मॉनिटरिंग कर रहे हैं. मंत्रियों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे जिलों में कैंप करें और सीधे जनता से फीडबैक लें.'

ईशा मालवीय ने पीएम मोदी के हमशक्ल को समझ लिया असली प्रधानमंत्री, झुककर किया नमस्ते तो छूटी सबकी हंसी

ईशा मालवीय का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने पीएम मोदी के हमशक्ल को असली मोदी जी समझ लिया और उन्हें झुककर नमस्ते भी कहने लगीं। ईशा के रिएक्शन को लेकर लोग मजेदार कमेंट कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर टीवी एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' फेम ईशा मालवीय का एक मजेदार वीडियो वायरल हो रहा है। मुंबई में एक पब्लिक इवेंट के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को कुछ पल के लिए असली प्रधानमंत्री समझ लिया। यह घटना एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई, जहां ईशा रेड कार्पेट पर मीडिया और मेहमानों से बातचीत कर रही थीं। ऑनलाइन वायरल हो रहे एक वीडियो में एक्ट्रेस को हैरानी से रिएक्शन देते हुए देखा जा सकता है, जब उन्होंने एक ऐसे आदमी को देखा जो बिल्कुल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा दिखता था।

जैसे ही उनकी नजर उस आदमी पर पड़ी, ईशा मालवीय चौंक गईं और मुस्कुराते हुए बोलीं, 'ओह, मोदी जी!' उनके इस रिएक्शन पर वहां मौजूद लोगों की हंसी छूट पड़ी। कुछ ही पल बाद, एक्ट्रेस को एहसास हुआ कि उनके सामने खड़ा व्यक्ति प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि उनका हमशक्ल है। उन्होंने इस स्थिति को मजाकिया अंदाज में लिया, उस व्यक्ति से हाथ मिलाया और फोटो के लिए पोज दिया। कैमरे की ओर देखते हुए उन्होंने मजाक में कहा, 'दोस्तों, हमारे

साथ मोदी जी हैं।'

ईशा मालवीय की क्लिप

यह क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और लोगों ने इस घटना पर मजेदार रिएक्शन्स दिए। कई लोगों ने मुस्कुराते हुए स्थिति को संभालने के लिए ईशा की तारीफ की, जबकि कुछ लोगों ने उस जबरदस्त समानता पर कमेंट किया जिसकी वजह से यह कन्फ्यूजन हुआ।

कौन हैं विकास महंते?

वीडियो में दिखने वाले व्यक्ति विकास महंते हैं, जो मुंबई के एक बिजनेसमैन, एक्टर और सोशल वर्कर हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसी शक्ल–सूरत के लिए काफी मशहूर हैं। पिछले कुछ सालों में, महंते ने अपने लुक, दाढ़ी के स्टाइल और तौर–तरीकों की वजह से पब्लिक इवेंट्स में लोगों का ध्यान खींचा है। कई लोगों को उनकी हरकतें प्रधानमंत्री जैसी ही लगती हैं।

विकास महंते की फिल्में

महंते ने अलग–अलग राज्यों में कई पॉलिटिकल कैंपेन इवेंट्स और पब्लिक प्रोग्राम्स में भी हिस्सा लिया है। बताया जाता है कि उन्हें चुनाव प्रचार और जागरूकता अभियानों के दौरान देखा गया है, जहां मोदी जैसी उनकी शक्ल–सूरत अक्सर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन जाती है। पब्लिक में दिखने के अलावा, महंते ने एक्टिंग प्रोजेक्ट्स में भी हाथ आजमाया है। वह फिल्मों और स्क्रीन प्रोडक्शंस में नजर आ चुके हैं, जिसमें 'हैप्पी न्यू ईयर' में एक छोटा सा रोल (कैमियो) भी शामिल है। इसके अलावा, वह 'मोदी काका का गांव', 'द साबरमती रिपोर्ट', और 'एक नया सवेरा' जैसे प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं।

ईशा मालवीय कौन हैं?

वहीं, ईशा मालवीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एक पॉपुलर चेहरा बनी हुई हैं। उन्होंने कम उम्र में ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और 'मिस मध्य प्रदेश' समेत कई ब्यूटी पेजेंट के खिताब जीते। उनके एक्टिंग करियर को टीवी शो 'उड़ारियां' से रफ्तार मिली, जिसमें जैस्मीन कौर संधू के किरदार में उन्हें काफी पहचान मिली। भारत के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले रियलिटी शो में से एक 'बिग बॉस 17' में हिस्सा लेने के बाद उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई।

इंटरनेट पर वायरल है वीडियो

हालांकि यह वायरल वीडियो सिर्फ कुछ सेकंड का था, लेकिन ईशा के तुरंत रिएक्शन और उस आदमी की प्रधानमंत्री से हैरान कर देने वाली मिलती–जुलती शक्ल (जिसे उन्होंने शुरू में प्रधानमंत्री समझा था) की वजह से यह ऑनलाइन सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले एंटरटेनमेंट क्लिप्स में से एक बन गया है।

वैभव सूर्यवंशी नहीं सबसे युवा डेब्यूटेंट, कौन है वह पाकिस्तानी जिसने 14 साल में खेला पहला इंटरनेशनल गेम?

(जीएनएस)।

भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में जब 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने टीम इंडिया की जर्सी पहनकर मैदान पर कदम रखा, तो भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया। बिहार के समस्तीपुर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट तक पहुंचने वाले इस युवा बल्लेबाज ने डेब्यू के साथ ही सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया और भारत के लिए सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उनकी इस उपलब्धि से पूरे देश में उत्साह की लहर दौड़ गई।

हालांकि वैभव सूर्यवंशी की यह उपलब्धि जितनी बड़ी है, उतनी ही दिलचस्प एक और सच्चाई भी है। भारत का रिकॉर्ड अपने नाम करने के बावजूद वह विश्व क्रिकेट के सबसे

युवा इंटरनेशनल डेब्यूटेंट नहीं बन सके। यह रिकॉर्ड आज भी पाकिस्तान के एक क्रिकेटर के नाम दर्ज है, जिसने महज 14 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखकर इतिहास रचा था।

कौन है यह पाकिस्तानी खिलाड़ी?

विश्व क्रिकेट में सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के हसन रजा के नाम दर्ज है। उन्होंने साल 1996 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। उस समय उनकी उम्र सिर्फ 14 साल और 227 दिन थी। इसके कुछ ही दिनों बाद उन्होंने वनडे क्रिकेट में भी पदार्पण कर सबसे कम उम्र में दोनों प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया।

वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया। इस तरह वह दुनिया के सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए, लेकिन हसन रजा का रिकॉर्ड अब भी बरकरार है।

डेब्यू मैच में सूर्यवंशी ने दिखाया आक्रामक रुख

पहले ही मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला ज्यादा नहीं चल पाया लेकिन धमाल मचाने में वह पीछे नहीं रहे। उन्होंने तूफानी अंदाज में खेलते हुए तहलका मचा दिया और आर्चर का पहली बार सामना करते हुए छक्का जमा दिया। 10 गेंदों में 14 रन की छोटी पारी में उनके दो छक्के थे। टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम

क्या बैन हो गई सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' ? सेंसर ने लगा दी रोक? मेकर्स ने सामने रखा ऐसा सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमि' इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। हालांकि इस बार वजह फिल्म की कहानी या स्टारकास्ट नहीं बल्कि उससे जुड़ी वो खबरें हैं जिनमें दावा किया जा रहा था कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलने में परेशानी आ रही है।

'मातृभूमि' को लेकर फैली अफवाहों पर आया आधिकारिक बयान

इन चचाओं ने सोशल मीडिया पर तेजी से जोर पकड़ा, जिसके बाद

दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे। लेकिन अब इन अफवाहों पर निर्माताओं ने खुद सामने आकर स्थिति स्पष्ट कर दी है।

सलमान खान फिल्म्स ने जारी किया स्पष्टीकरण

फिल्म के प्रोडक्शन हाउस Salman Khan Films ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए एक बयान जारी किया है। इस बयान में उन सभी रिपोर्ट्स को पूरी तरह गलत बताया गया है, जिनमें कहा जा रहा था कि फिल्म का सर्टिफिकेशन रोक दिया गया है या उसे किसी तरह की सेंसर संबंधी बाधा का सामना करना पड़ रहा है। निर्माताओं ने स्पष्ट किया कि फिल्म को लेकर फैल रही ऐसी खबरों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है और दर्शकों को अपुष्ट जानकारी पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

अभी सेंसर बोर्ड के पास पहुंची ही नहीं फिल्म

निर्माताओं द्वारा शेयर किए गए बयान में ये भी बताया गया कि 'मातृभूमि' को अभी तक प्रमाणन प्रक्रिया के लिए सेंसर बोर्ड के पास भेजा ही नहीं गया है। ऐसे में फिल्म के सर्टिफिकेशन को रोके जाने या किसी तरह की आपत्ति लगाए जाने की बातें पूरी तरह निराधार हैं। इस स्पष्टीकरण के बाद यह साफ हो गया है कि सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में चल रही अटकलें महज अफवाह थीं और फिल्म फिलहाल अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है।

फैंस से की गई खास अपील

सलमान खान फिल्म्स प्रोडक्शन हाउस ने दर्शकों और मीडिया से ये भी अनुरोध किया है कि फिल्म से जुड़ी किसी भी खबर को शेयर करने से पहले उसकी पुष्टि जरूर करें। निर्माताओं का कहना है कि मातृभूमि से संबंधित सभी आधिकारिक अपडेट केवल उनके अधिकृत प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से ही जारी किए जाएंगे। इस अपील का मकसद फिल्म को लेकर फैल रही भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाना और दर्शकों तक सही जानकारी पहुंचाना है।

देशभक्ति के रंग में नजर आएंगे सलमान खान

'मातृभूमि' को एक देशभक्ति से प्रेरित फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में सलमान खान एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। लंबे समय बाद उन्हें ऐसे किरदार में देखने के लिए उनके फैंस के बीच खास उत्साह बना हुआ है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। दोनों की जोड़ी को लेकर भी दर्शकों में काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है।

कब रिलीज होगी 'मातृभूमि'?

–फिल्म 'मातृभूमि' के रिलीज शेड्यूल की बात करें तो ये इसी साल अगस्त में सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं, जो इससे पहले कई चर्चित फिल्मों और प्रोजेक्ट्स का निर्देशन कर चुके हैं। निर्माताओं को उम्मीद है कि देशभक्ति, एक्शन और भावनात्मक तत्वों से भरपूर ये फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल रहेगी।

–फिलहाल सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सेंसर बोर्ड से जुड़े विवादों की खबरों पर पूरी तरह विराम लग गया है। निर्माताओं ने साफ कर दिया है कि फिल्म को अभी तक सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया है, इसलिए बैन या सर्टिफिकेशन रोकने जैसी बातें पूरी तरह गलत हैं। अब फैंस की नजर फिल्म की रिलीज और उससे जुड़े अगले बड़े अपडेट पर टिकी हुई है।

57 साल की हिंदू एक्ट्रेस की शादीशुदा मुस्लिम म्यूजिक कंपोजर ने बर्बाद की जिंदगी, दर्दनाक बना करियर

(जीएनएस)।

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हुए हैं जिन्होंने मुख्य भूमिका निभाए बिना भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। प्रतिभा सिन्हा भी उन्हीं नामों में शामिल हैं। फिल्मों में लंबी पारी भले ही न खेल पाईं लेकिन एक गाने ने उन्हें ऐसी पॉपुलैरिटी दिलाई कि लोग आज भी उन्हें याद करते हैं।

एक सुपरहिट गाने ने बदल दी थी पहचान

4 जुलाई 1969 को कोलकाता में जन्मीं प्रतिभा सिन्हा मशहूर एक्ट्रेस माला सिन्हा (टं' ग्ल्लँ) की बेटी हैं। आज प्रतिभा सिन्हा का 57वां जन्मदिन है। फिल्मी माहौल में पली–बढ़ीं प्रतिभा सिन्हा ने भी अपनी मां की तरह फिल्मी दुनिया में कदम रखा और इस जगत में सफलता हासिल करने का सपना देखा। हालांकि उनकी मंजिल वैसी नहीं रही जैसी उन्होंने कल्पना की थी।

बॉलीवुड में रखा कदम लेकिन किस्मत ने नहीं दिया साथ

–प्रतिभा सिन्हा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत साल 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'महबूब मेरे महबूब' से की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया लेकिन वह पहचान हासिल नहीं कर सकीं जिसकी उन्हें उम्मीद थी।

–प्रतिभा सिन्हा के करियर का सबसे यादगार मोड़ साल 1996 में आया, जब फिल्म राजा हिंदुस्तानी (फ्रं ल्लल्४२३ल्ल्र) का गाना 'परदेसी–परदेसी' रिलीज हुआ था। इस गाने में प्रतिभा की मौजूदगी भले ही सीमित थी लेकिन उनके एक्प्रेशन्स, अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया था। देखते ही देखते वह चर्चा का विषय बन गईं और उन्हें नई पहचान मिल गई। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था।

मुस्लिम म्यूजिक कंपोजर ने बर्बाद कर दी प्रतिभा की जिंदगी

–फिल्मी सफर के साथ–साथ प्रतिभा सिन्हा की निजी जिंदगी भी लंबे समय तक खबरों में बनी रही। उस दौर में प्रतिभा सिन्हा का नाम बॉलीवुड के फेमस म्यूजिक कंपोजर नदीम सैफी (ठॉी ग्रं) के साथ जोड़ा गया था। दोनों के रिश्ते को लेकर मीडिया में कई तरह की चचाएं होती थीं।

–बताया जाता है कि प्रतिभा सिन्हा की मां माला सिन्हा को नदीम के साथ उनकी बेटी का रिश्ता बिल्कुल पसंद नहीं था। दरअसल नदीम सैफी पहले से शादीशुदा थे। समय के साथ इस रिश्ते को लेकर कई विवाद और अफवाहें सामने आईं, जिनकी चर्चा फिल्मी गलियारों में लंबे समय तक होती रही। कहा जाता है कि इन घटनाओं का असर प्रतिभा सिन्हा के करियर पर भी पड़ा और उनका ध्यान फिल्मों से धीरे–धीरे

हटने लगा था।

बेटी को बचाने के लिए मां माला सिन्हा ने उठाया बड़ा कदम

–मां माला सिन्हा के मना करने के बावजूद नदीम सैफी और प्रतिभा सिन्हा की लगातार बढ़ती नजदीकियों ने उनके परिवार को परेशान कर रखा था। ऐसे में मां माला सिन्हा ने बड़ा एकदम उठाया और अपनी बेटी को मुंबई से चेन्नई लेकर चली गई थीं ताकि वह नदीम से दूर जा सके। इसके बाद मीडिया में खबर फैली कि प्रतिभा सिन्हा म्यूजिक कंपोजर नदीम सैफी के साथ भाग गई हैं।

–बॉलीवुड ठिकाना की रिपोर्ट के मुताबिक माला सिन्हा ने उस समय इन अफवाहों पर रोक लगाने के लिए बालासाहेब ठाकरे से मदद मांगी थी। कुछ सालों बाद प्रतिभा सिन्हा चेन्नई से वापस मुंबई लौट आई थीं। इस घटना का असर उनके करियर पर पड़ा था जो कि धीर–धीरे बर्बाद हो गया।

शोहरत मिली लेकिन लंबा नहीं चला फिल्मी सफर

प्रतिभा सिन्हा के पास प्रतिभा, खूबसूरती और फिल्मी परिवार का मजबूत आधार था लेकिन इसके बावजूद वह बॉलीवुड में स्थायी मुकाम नहीं बना सकीं। जिस तेजी से उन्हें पहचान मिली थी, उसी तेजी से वह इंडस्ट्री की चकाचौंध से दूर भी हो गईं। साल 2000 के बाद उन्होंने लगभग पूरी तरह फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। इसके बाद वह सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया की नजरों से भी काफी हद तक गायब रहीं।

अब कैसी जिंदगी जी रही हैं प्रतिभा सिन्हा?

–मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार प्रतिभा सिन्हा इन दिनों मुंबई के बांद्रा इलाके में अपनी मां माला सिन्हा के साथ शांत जीवन बिता रही हैं। 57 साल की उम्र हो जाने के बावजूद उन्होंने अब तक शादी नहीं की और लंबे समय से लाइमलाइट से दूर हैं।

–हालांकि प्रतिभा सिन्हा फिल्मों में एक्टिव नहीं हैं लेकिन 'परदेसी–परदेसी' जैसे यादगार सॉन्ग के कारण आज भी उन्हें बॉलीवुड प्रेमी याद करते हैं। उनका नाम उन एक्ट्रेसेस में लिया जाता है जिन्होंने कम समय में पॉपुलैरिटी तो हासिल की लेकिन उसे लंबे समय तक बरकरार नहीं रख सकीं।

एक सुपरहिट गाने ने प्रतिभा को रातोंरात स्टार बना दिया था

प्रतिभा सिन्हा का फिल्मी सफर उतार–चढ़ाव से भरा रहा। एक सुपरहिट गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया लेकिन सफलता की वह चमक ज्यादा समय तक नहीं टिक सकी। आज वह भले ही ग्लैमर की दुनिया से दूर हों लेकिन 'राजा हिंदुस्तानी' के चर्चित गाने में उनकी झलक अब भी दर्शकों की यादों में ताजा है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

चंपत राय के समर्थन में उतरे अयोध्या के साधु-संत, राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफे को लेकर की ये अपील

राम मंदिर दान चोरी मामले में इस्तीफा देने वाले ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के समर्थन में साधु-संत उतर आए हैं। उन्होंने ट्रस्ट से इस्तीफा न स्वीकार करने की अपील की है।

(जीएनएस)।

अयोध्या: अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर जारी विवाद के बीच शनिवार को संत समाज उनके समर्थन में उतर आया। संतों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अपील की कि वह चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार न करे। अयोध्या में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संतों ने चंपत राय की ईमानदारी, सच्चाई और निष्ठा पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उनका मकसद उनकी सार्वजनिक छवि को खराब करना है।

पारदर्शी व्यवहार की बात

अयोध्या के संतों ने कहा कि चंपत राय दशकों से राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शिता और समर्पण से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है और यह उन्हें बदनाम करने की एक अनावश्यक कोशिश है।

संतों ने कहा कि इस विवाद के दौरान चंपत राय का व्यवहार पूरी तरह पारदर्शी रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद इस मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने की मांग की थी, जिससे यह साबित होता है कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और उन्हें पूरी जांच से कोई आपत्ति नहीं है।

एसआईटी बनाने का स्वागत

एसआईटी बनाने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए संतों ने कहा कि जांच से सारे तथ्य सामने आ जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विवाद के बावजूद चंपत राय ने संयम बरता और सार्वजनिक बयान देने से बचे। उनके प्रति एकजुटता दिखाते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या के संत मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। उन्हें अपना पूरा समर्थन और आशीर्वाद दे रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संतों ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के सामने कई सवाल भी उठाए। उन्होंने मंदिर के फंड की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों पर सवाल उठाए और जानना चाहा कि पर्याप्त सावधानी क्यों नहीं बरती गई।

बैठक पहले बुलाने पर सवाल

संतों ने यह भी पूछा कि ट्रस्ट की प्रस्तावित बैठक समय से पहले क्यों बुलाई गई और इस फैसले की क्या

जरूरत थी। संतों ने मांग की कि ट्रस्ट इन मुद्दों पर स्पष्ट जवाब दे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है और भ्रम और विवाद से बचने के लिए मंदिर से जुड़े सभी मामलों में पूरी पारदर्शिता जरूरी है। बाद में कई संतों ने चंपत राय के लिए अपना समर्थन दोहराया। उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

संत राघवेश दास वेदांती ने कहा कि अयोध्या के संत ट्रस्ट से मांग कर रहे हैं कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार न किया जाए। एसआईटी ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उन्हें रिमांड पर लिया गया है। कुछ दिनों में रिपोर्ट आ जाएगी और सब कुछ साफ हो जाएगा।

चंपत पर आरोप बेबुनियाद

राम कचहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास ने बताया कि चंपत को दोषी ठहराया जा रहा है, जो पूरी तरह से बेबुनियाद है। इसमें चंपत की कोई गलती नहीं है। उन्हें हटाने की एक बड़ी साजिश रची जा रही है ताकि असली दोषी राम मंदिर को लूट सकें। वैदेही भवन के महंत वैदेही वल्लभ शरण ने भी चंपत राय का समर्थन करते हुए कहा कि संघ का हर प्रचारक ईमानदार होता है। संघ के प्रचारक समर्पित और अडिग होते हैं। ये कुछ बादल हैं, जो जल्द ही छंट जाएंगे।

इस बीच, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट 6 जुलाई को एक अहम बैठक करने वाला है, जिसमें सदस्य ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफों पर विचार किया जाएगा। बैठक में मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने और राम मंदिर के मैनेजमेंट से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच पर भी चर्चा की जाएगी।

डिजिटल लाइब्रेरी में लगी आग, मची भगदड़; लखनऊ जैसा हादसा अलीगढ़ में होने से बचा...धुआं भरने से घुटने लगा दम

अलीगढ़ के सरसौल चौराहा स्थित एस्पिरेन्ट डिजिटल लाइब्रेरी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया क्योंकि घटना के समय कोई मौजूद नहीं था।

(जीएनएस)।

अलीगढ़। लखनऊ में हाल ही में हुए कोचिंग अग्निकांड के बाद भी स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद भी जिले में बिना मान्यता के कोचिंग सेंटर संचालित हैं, जो सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई हैं। शुक्रवार सुबह सरसौल चौराहा पर नीवरी हाउस की दूसरी मंजिल पर संचालित ऐसी ही एस्पिरेन्ट डिजिटल लाइब्रेरी में अचानक आग लग गई। इससे अफरा-तफरी मच गई।

समय रहते दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 7:36 बजे डायल-101 पर नीवरी हाउस की दूसरी मंजिल से धुआं निकलने की सूचना मिली थी। कुछ ही देर में अग्निशमन अधिकारी संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में दो दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंचे।

मौके पर पहुंचने पर पता चला कि लाइब्रेरी के अंदर लगे सीलिंग फैन में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई थी, जिसके कारण पूरी लाइब्रेरी धुएं से भर गई। दमकल कर्मियों ने आग बुझाई। दूसरी टीम ने स्मोक एग्जास्टर लगाकर इमारत से धुआं बाहर निकाला। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

राहत की बात यह रही कि घटना के समय लाइब्रेरी में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग में कुछ पंखे और लाइब्रेरी का सामान क्षतिग्रस्त हुआ है। सीओ बन्नादेवी धनंजय सिंह ने बताया कि हादसे के समय लाइब्रेरी में कोई नहीं था। पंजीकरण भी नहीं मिला है। संबंधित विभागों से भी जानकारी कराई जा रही है।

क्या दिखावे की हो रही कार्रवाई

लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद अलीगढ़ प्रशासन और विकास प्राधिकरण शहरभर में अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच अभियान चला रहे हैं। शिक्षा विभाग ने भी बिना मान्यता चल रहे कोचिंग सेंटर पर कार्रवाई की, इसके बाद भी शहर में बिना मान्यता के ऐसे संस्थान हैं।

डिजिटल लाइब्रेरी में लगी यह आग सुरक्षा व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े करती है। सवाल उठ रहे हैं कि प्रशासनिक कार्रवाई क्या केवल दिखावे तक सीमित रही गई है।

15 संस्थान किए जा चुके हैं सील

लखनऊ में हुई आग की घटना के बाद शहरभर में चलाए गए निरीक्षण अभियान के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर अब तक कुल 15 कोचिंग सेंटरों और लाइब्रेरियों को सील किया जा चुका है।

इनमें ग्रेविटी कोचिंग सेंटर, कटारा कोचिंग सेंटर, अलीगढ़ काम्पीटिशन क्लासेज, शर्मा जी क्लासेज, डिजिटल लाइब्रेरी, अनन्या क्लासेज, प्रारंभ आईएएस स्टडी सर्किल, सीए नैया सचदेव क्लासेज, लावनिया लाइब्रेरी, स्टडी फोकस क्लासेज, प्रमोद कुमार लाइब्रेरी, सक्सेस लाइब्रेरी, इंस्पायरी लाइब्रेरी (मेडिकल रोड), किंजा लाइब्रेरी और बंसल क्लासेज शामिल हैं।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट पाया गया है। जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय लाइब्रेरी बंद थी, जिसके कारण एक बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। आग से कुछ पंखे और लाइब्रेरी का अन्य सामान जल गया। – मुकेश कुमार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

अयोध्या में राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने महिला को दी नई जिंदगी, ऑपरेशन कर पेट से निकाला 10 किलो का ट्यूमर

(जीएनएस)।

अयोध्या। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर के चिकित्सकों ने महिला के पेट से दस किलो का ट्यूमर ऑपरेशन करके निकाला है। महिला गोंडा जिले की मनकापुर निवासी है। वह पांच वर्षो से उपचार गोंडा में ही करा रही थी। महिला को शुरूआती दौर में 500 ग्राम का ट्यूमर होने की जानकारी मिल थी।

उपचार आरंभ होने के बाद पांच वर्षों में बढ़कर दस किलो पहुंच गया। हालत बिगड़ने पर आठ जून को मेडिकल कॉलेज में पहुंची थी। ओपीडी में जर्नल सर्जन डॉ. प्रदीप सिंह ने भर्ती कर जांच कराई और शुक्रवार को विभागाध्यक्ष डॉ. एमसी पांडेय की निगरानी में डॉ. प्रदीप ने ऑपरेशन किया। महिला पूरी तरह स्वस्थ है।

मनकापुर बाजार निवासी प्रमोद कुमार मोदनवाल की 40 वर्षीय पत्नी यशोदा तीन वर्ष पहले पेट दर्द होने के बाद चिकित्सक के पास पहुंचीं। अल्ट्रासाउंड कराने पर ट्यूमर निकला। इसके बाद स्वजन बस्ती के एक अस्पताल में ले जाकर चिकित्सक को दिखाया। चिकित्सक ने उपचार के साथ आपरेशन की सलाह दी, लेकिन ऑपरेशन से मना किया।

एक वर्ष उपचार के बाद मनकापुर के ही होम्योपेथिक चिकित्सक से दवा शुरू कर दिया। इसके बाद ट्यूमर काफी बढ़ गया, तो रामनगरी के एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचे। वहां डॉक्टर ने रिपोर्ट देख सीधे डॉ. प्रदीप सिंह के पास मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

डॉ. श्रृष्टेश ने बताया कि भर्ती करने के बाद सबसे पहले जांच में कैंसर की आशंका दूर करने के लिए सैंपल भेज अस्पताल से संबंधित दूसरी जांच और ब्लड की कमी को दूर करने के लिए उपचार चलता रहा। शुक्रवार को सभी रिपोर्ट नार्मल होने पर डॉ. प्रदीप सिंह ने डॉ. दिव्या उपाध्याय, डॉ. श्रृष्टेश तिवारी, डॉ. पीयूष कांत और बेहोशी की डॉ. नेहा सिंह तथा डॉ. अमन के साथ मिलकर ऑपरेशन कर दिया। ट्यूमर के साथ करीब तीन से चार लीटर पानी भी निकला।

मेडिकल कॉलेज के सभी विभागों के डॉक्टर अच्छा काम कर रहे हैं। जनरल सर्जनों का बहुत ही सराहनीय प्रयास चल रहा है। उनके इसी प्रयास से जनता को काफी राहत मिल रही है।
– डॉ. दिनेश सिंह मार्तोलिया, प्राचार्य

प्रतापगढ़ में सीएम योगी का दौरा:सुरक्षा चाक-चौबंद, व्यापक तैयारियां आरम्भ, आईजी ने अफसरों को दिए सख्त निर्देश

इस पहल से सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों का समय पर निस्तारण संभव होगा

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए लगातार बड़े सुधार कर रही है. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर एक बड़ा फैसला किया है. अब आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल, निष्क्रांत संपत्ति और शत्रु संपत्ति से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई तीन सदस्यीय विशेष पीठ करेगी. यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है.

राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार सरकारी और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने पर जोर दे रहे हैं. उनका उद्देश्य भूमि विवादों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करना और राजस्व न्याय प्रणाली को

आधुनिक व तकनीक आधारित बनाना है.

इसी के तहत उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-9 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की गई है. इसका मकसद इन संवेदनशील मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता, न्यायिक गुणवत्ता और एकरूपता लाना है. इस व्यवस्था के तहत लखनऊ और प्रयागराज स्थित राजस्व परिषद न्यायालयों में इन श्रेणियों के सभी लंबित और नए मुकदमों को अब तीन सदस्यीय विशेष पीठ के समक्ष ही पेश किया जाएगा.

हर बुधवार को होगी मामलों की सुनवाई

अर्चना अग्रवाल ने ने बताया कि राजस्व परिषद ने लखनऊ और प्रयागराज न्यायालय के लिए अलग-अलग तीन सदस्यीय विशेष पीठों का गठन किया है, जो हर बुधवार को नियमित रूप से इन मामलों की सुनवाई की करेंगी. इस पहल से सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों का समय पर निस्तारण संभव होगा, साथ ही पूरे प्रदेश में निर्णय प्रक्रिया में एकरूपता आएगी. वहीं, संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस श्रेणी के सभी लंबित एवं नए प्रकरणों की पहचान कर उन्हें निर्धारित विशेष पीठ के पास दर्ज कराएं.

राजस्व व्यवस्था अधिक उत्तरदायी

गौरतलब है कि योगी सरकार पहले ही राजस्व प्रशासन में व्यापक सुधारों की दिशा में कई सराहनीय पहल कर चुकी है. डिजिटल भू-अभिलेख, ऑनलाइन नामांतरण एवं अन्य राजस्व सेवाएं, आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भूमि पैमाइश, पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया और सरकारी भूमि की सुरक्षा जैसे कदमों ने राजस्व व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी बनाया है.

अयोध्या में 5.61 लाख के केसीसी बकाया पर किसान के खेत की कुर्की, प्रशासन ने लगाई लाल झंडी

अयोध्या में उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के 5.61 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड ऋण का भुगतान न करने पर तहसील प्रशासन ने एक किसान के खेत की कुर्की कर दी .

(जीएनएस)।

शुजागंज (अयोध्या)। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मवई से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत लिया गया 5.61 लाख रुपये का ऋण न चुकाने पर तहसील प्रशासन ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बकायेदार किसान के खेत की कुर्की कर दी। राजस्व विभाग और पुलिस की मौजूदगी में खेत पर लाल झंडी लगाकर कुर्की आदेश का पालन कराया गया।

मवई थाना क्षेत्र के ग्राम ओहरामऊ सहजना निवासी राज कुमार पुत्र काशीराम पर बैंक के अनुसार 5,61,544 रुपये का बकाया था। बैंक द्वारा कई बार नोटिस जारी कर भुगतान का अवसर दिए जाने के बावजूद राशि जमा न होने पर राजस्व वसूली की प्रक्रिया शुरू की गई। सक्षम प्राधिकारी के आदेश के बाद तहसील प्रशासन ने खेत की कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार विजय कुमार, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा मवई के शाखा प्रबंधक रोहित श्रीवास्तव तथा मवई पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने खेत पर लाल झंडी लगाकर कुर्की की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कराई।

शाखा प्रबंधक रोहित श्रीवास्तव ने बताया कि बकाया राशि का भुगतान होने तक नियमानुसार आगे की राजस्व वसूली की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने किसानों से समय पर ऋण अदायगी करने की

अपील करते हुए कहा कि इससे ऐसी कठोर कार्रवाई से बचा जा सकता है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, अब तीन सदस्यीय स्पेशल बेंच करेगी सरकारी भूमि से जुड़े मामलों की सुनवाई, जानिए क्या है नई व्यवस्था

इस पहल से सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों का समय पर निस्तारण संभव होगा

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए लगातार बड़े सुधार कर रही है. इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर एक बड़ा फैसला किया है. अब आरक्षित श्रेणी की भूमि, शासकीय भूमि, ग्राम सभा, नजूल, निष्क्रांत संपत्ति और शत्रु संपत्ति से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई तीन सदस्यीय विशेष पीठ करेगी. यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है.

राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार सरकारी और सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने पर जोर दे रहे हैं. उनका उद्देश्य भूमि विवादों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करना और राजस्व न्याय प्रणाली को आधुनिक व तकनीक आधारित बनाना है.

इसी के तहत उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-9 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह नई व्यवस्था लागू की गई है. इसका मकसद इन संवेदनशील मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता, न्यायिक गुणवत्ता और एकरूपता लाना है. इस व्यवस्था के तहत लखनऊ और प्रयागराज स्थित राजस्व परिषद न्यायालयों में इन श्रेणियों के सभी लंबित और नए मुकदमों को अब तीन सदस्यीय विशेष पीठ के समक्ष ही पेश किया जाएगा.

हर बुधवार को होगी मामलों की सुनवाई

अर्चना अग्रवाल ने ने बताया कि राजस्व परिषद ने लखनऊ और प्रयागराज न्यायालय के लिए अलग-अलग तीन सदस्यीय विशेष पीठों का गठन किया है, जो हर बुधवार को नियमित रूप से इन मामलों की सुनवाई की करेंगी. इस पहल से सरकारी और सार्वजनिक भूमि से जुड़े संवेदनशील मामलों का समय पर निस्तारण संभव होगा, साथ ही पूरे प्रदेश में निर्णय प्रक्रिया में एकरूपता आएगी. वहीं, संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि इस श्रेणी के सभी लंबित एवं नए प्रकरणों की पहचान कर उन्हें निर्धारित विशेष पीठ के पास दर्ज कराएं.

राजस्व व्यवस्था अधिक उत्तरदायी

गौरतलब है कि योगी सरकार पहले ही राजस्व प्रशासन में व्यापक सुधारों की दिशा में कई सराहनीय पहल कर चुकी है. डिजिटल भू-अभिलेख, ऑनलाइन नामांतरण एवं अन्य राजस्व सेवाएं, आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भूमि पैमाइश, पारदर्शी न्यायिक प्रक्रिया और सरकारी भूमि की सुरक्षा जैसे कदमों ने राजस्व व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी बनाया है.

आर्थिक तंगी नहीं बनेगी बाधा! 865 होनहारों को सरकार देगी फ्री हॉस्टल, किताबें और टॉप क्लास कोचिंग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी सरकार ने SC, ST और OBC के गरीब व होनहार युवाओं के लिए 'निःशुल्क आईएएस-पीसीएस आवासीय कोचिंग योजना' शुरू की है

निःशुल्क आईएएस-पीसीएस कोचिंग योजना से बदलेगा यूपी के होनहारों का भविष्य

यूपी सरकार की निःशुल्क आईएएस-पीसीएस आवासीय कोचिंग योजना।

865 छात्रों को मुफ्त रहना, खाना और उच्च स्तरीय कोचिंग।

प्रवेश परीक्षा 5 जुलाई 2026 को, कक्षाएं 1 अगस्त से।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के गरीब व होनहार युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं में भेजने के लिए एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'निःशुल्क आईएएस-पीसीएस आवासीय कोचिंग योजना' आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना के जरिए अब राज्य के प्रतिभावान छात्रों को देश और प्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं (वढरउ और वढढरउ) की तैयारी पूरी तरह निशुल्क कराई जाएगी।

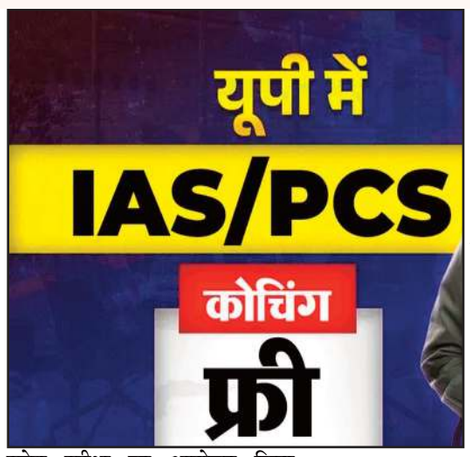

5 जुलाई को 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी आजमाएंगे भाग्य

इस योजना के अंतर्गत दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आगामी 5 जुलाई 2026 को प्रदेश के सभी मंडलों में

प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कुल 10,175 छात्र-छात्राएं शामिल होने जा रहे हैं। परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद पारदर्शी काउंसलिंग प्रक्रिया के माध्यम से योग्य अभ्यर्थियों की छंटनी होगी। चयनित छात्र-छात्राओं के लिए नियमित कक्षाएं 1 अगस्त 2026 से प्रारंभ हो जाएंगी और यह विशेष शैक्षणिक सत्र 31 मई 2027 तक संचालित किया जाएगा।

प्रदेश भर में स्थापित सात अत्याधुनिक आवासीय कोचिंग सेंटरों में कुल 865 चयनित अभ्यर्थियों को मुफ्त प्रवेश दिया जाएगा। सरकार ने इसमें एक विशेष व्यवस्था भी की है, जिसके तहत 25 प्रतिशत सीटें उन छात्र-छात्राओं के लिए आरक्षित रखी गई हैं जो लेटरल एंट्री के माध्यम से प्री परीक्षा (ढ१ील्लं१८ एव७) पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। चयनित युवाओं को हॉस्टल में रहने, पौष्टिक भोजन, बेहतरीन पुस्तकें, स्टडी मटेरियल और देश के अनुभवी शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन जैसी सभी विश्वस्तरीय सुविधाएं बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री का विजन: आर्थिक तंगी से नहीं होगा समझौतो का दौर

यह योजना महज एक कोचिंग कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक बड़ा विजन है। मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि आर्थिक तंगी या संसाधनों का अभाव किसी भी प्रतिभाशाली छात्र के भविष्य और उसके बड़े सपनों के आड़े नहीं आना चाहिए। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार इन होनहारों की पढ़ाई का पूरा खर्च खुद उठा रही है।

निजी कोचिंग के लाखों के खर्च से मिलेगी मुक्ति

वर्तमान दौर में जहां निजी संस्थानों में आईएएस-पीसीएस की तैयारी के नाम पर लाखों रुपये की फीस वसूली जाती है, वहीं गरीब परिवारों के बच्चों के लिए यह खर्च उठा पाना नामुमकिन होता है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह के अनुसार, योगी सरकार की इस पहल से वंचित और शोषित वर्ग के युवाओं में नया आत्मविश्वास जगा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही दिशा मिलने से अब ये युवा भी ब्यूरोक्रेसी (प्रशासनिक सेवाओं) में अपनी मजबूत भागीदारी दर्ज कराएंगे, जिससे आने वाले समय में समाज में एक बेहद सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा।

लखनऊ पहुंचते ही भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन बैठकों में व्यस्त, यूपी में 2027 में भी जीत का पूरा भरोसा

तेज गर्मी व उमस के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत यात्रा में शामिल हुए। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत किया भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन व महामंत्री बीएल संतोष की प्रदेश संगठन के साथ बैठक प्रदेश के सभी सभी 98 संगठनात्मक जिलों के जिलाध्यक्षों/महानगर अध्यक्षों के साथ भी मीटिंग

(जीएनएस)।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद नितिन नवीन उत्तर प्रदेश के पहले दौरे पर लखनऊ पहुंचे हैं। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी दो दिन के लखनऊ दौरे पर हैं।

लखनऊ आगमन पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती, लखनऊ की इस भूमि को मैं नमन करता हूं। भगवान राम, काशी विश्वनाथ की नगरी, मथुरा की नगरी को नमन करता हूं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करता हूं, यह उनका क्षेत्र है। जिस तरह से स्नेह यहां के लोगों ने दिया है। मैं भाजपा कार्यकर्ताओं, लखनऊ के लोगों का धन्यवाद करता हूं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के प्रदेश दौरे पर कहा कि ये पूरे उत्तर प्रदेश के लिए और भाजपा परिवार के लिए बहुत खुशी का अवसर है कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष का प्रदेश में विधिवत प्रथम आगमन हुआ है। संगठनात्मक बैठकों से लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक और कई कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। हम विश्वास दिलाते हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जो निर्देश देंगे, उसके अनुसार पार्टी तीसरी बार उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का प्रयास करेगी।

यह वीडियो भी देखें

लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यालय में औपचारिक स्वागत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन प्रदेश संगठन की बैठक में व्यस्त हो गए। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, सभी प्रदेश महामंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रदेश मंत्री शामिल हुए।

इसके अलावा बैठक में युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के अलावा सभी छह क्षेत्रों के क्षेत्रीय अध्यक्ष भी थे। नितिन नवीन प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक के बाद सभी 98 संगठनात्मक जिलों के जिलाध्यक्षों/महानगर अध्यक्षों के साथ भी बैठक करेंगे।

पहली बार संगठनात्मक बैठक करने लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का गर्मजोशी से स्वागत हुआ। एयरपोर्ट से प्रदेश मुख्यालय तक 16 किमी की यात्रा भगवा गलियारे से निकली। उनके स्वागत के लिए सड़क को दोनों ओर से पोस्टर, भगवा बैनर और झंडों से पाट दिया गया था। 41 बिंदुओं पर 25 जगह अलग-अलग जातियों के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया, जिसमें ओबीसी और अनुसूचित जाति के लोग ज्यादा थे। तेज गर्मी व उमस के बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वागत यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ उनका स्वागत किया।

दो दिनी प्रवास के दौरान नितिन नवीन पार्टी पदाधिकारियों को मिशन-2027 के लिए चुनावी मंत्र देंगे। सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को भी पार्टी की नई चुनावी रणनीतियों व भविष्य के अभियानों से परिचित कराएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्रियों और पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से भी मिलेंगे। किसी सामान्य कार्यकर्ता के घर पहुंचकर बूथ प्रबंधन की बैठक कर बड़ा संदेश देंगे। शहर के गणमान्य लोगों से मिलने का भी कार्यक्रम है।

लखनऊ में आवास विकास का एक्शन, इंदिरा नगर में अस्पताल समेत 7 भवन सील

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने की कार्रवाई, व्यावसायिक गतिविधियों पर कड़ा रुख.

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने आवासीय क्षेत्र में चल रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की. निर्माण खंड लखनऊ-06 की टीम ने इंदिरा नगर क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर संचालित हो रहे 7 भवनों को प्रवर्तन दल की मौजूदगी में सील कर दिया.

आवास विकास परिषद के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इन सभी आवंटित और निजी आवासीय भवनों में बिना किसी वैध मानचित्र स्वीकृति और भू-उपयोग परिवर्तन के बड़े पैमाने पर कमर्शियल गतिविधियां चलाई जा रही थीं. कई बार नोटिस देने के बाद भी संचालकों ने नियमों की अनदेखी की, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया.

बताया कि आवासीय भवनों में अवैध रूप से अस्पताल का संचालन मिला. उसे सील कर दिया. एक भवन में एक साथ होटल, लाइब्रेरी और रेंटल रूम्स जैसी व्यावसायिक गतिविधियां चल रही थीं. पूरे परिसर को बंद कर सील लगा दी गई. वहीं, आवासीय प्लॉट पर बिना अनुमति के संचालित हो रहे दूसरे अस्पताल को भी टीम ने सील किया. दो आवासीय परिसरों में अवैध रूप से होटल चलाए जा रहे थे. दोनों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई. इसके अलावा निर्माणाधीन होटल व कमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी शामिल है. 7 भवनों को सील किया गया.

निर्माण खंड लखनऊ-06 के अधिकारियों ने बताया कि आवासीय कॉलोनियों में इस तरह की व्यावसायिक गतिविधियों से न केवल मूलभूत ढांचे पर दबाव पड़ता है बल्कि क्षेत्र में पार्किंग, ट्रैफिक और सुरक्षा की समस्या भी बढ़ती है. परिषद का स्पष्ट कहना है कि बिना भू-उपयोग परिवर्तन और मानचित्र पास कराए कोई भी व्यावसायिक गतिविधि अवैध मानी जाएगी.

परिषद ने चेतावनी दी है कि इंदिरा नगर के अलावा अन्य योजनाओं में भी सर्वे जारी है.जहां भी आवासीय भवनों में अवैध होटल, अस्पताल, लाइब्रेरी या कॉम्प्लेक्स चलता मिला, वहां इसी तरह की सीलिंग कार्रवाई की जाएगी.नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी प्रकार का व्यावसायिक निर्माण या संचालन करने से पहले परिषद से विधिवत अनुमति अवश्य लें.

अधिकारियों के मुताबिक यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि आवासीय क्षेत्रों का मूल स्वरूप बरकरार रखा जा सके और नियमों का पालन सुनिश्चित हो.

'पश्चिम एशिया संकट के समय दिखा भारत की डिप्लोमेसी का जलवा, 40 से ज्यादा देशों से आया ईंधन', पीएम मोदी ने विपक्ष को सुनाया

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संकट का जिक्र कर विपक्षी दलों को जमकर सुनाया। राजस्थान के पचपदरा में ग्रीनफील्ड रिफाइनरी का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। जान लीजिए बड़ी बातें। पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया संकट पर कह दी बड़ी बात

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिमी एशिया युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। प्रधानमंत्री मोदी ने पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में हाहाकार मचा है। इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। हालांकि, सही फैसले, सटीक आकलन, प्रभावी रणनीति और कूटनीतिक शक्ति का सकारात्मक इस्तेमाल करके भारत संकट से उबर पाया है।

पीएम मोदी ने किया दूसरे देशों से दोस्ती का जिक्र

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। उन्होंने कहा कि जब ये संकट शुरू हुआ था, उससे पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की डिप्लोमेसी का जलवा दिख गया। दूसरे देशों के साथ हमारे अच्छे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान ही भारत 40 से ज्यादा देशों से ईंधन मंगाने लगा। भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि हमारे लिए राष्ट्रहित और राष्ट्र के नागरिकों का हित सर्वोपरि है।

बहुत अफवाहें फैलाई गईं, लोगों को डराया गया: पीएम

इसी बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर ईंधन संकट के बीच अफवाह फैलाने और राजनीतिक खेल खेलने के आरोप लगाए। विपक्ष पर इशारों-इशारों पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि बहुत अफवाहें फैलाई गईं, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए। लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए। दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई।

विपक्ष पर भड़के प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ ताकतें अफवाह और आशंका फैलाने में व्यस्त थी, तब किस स्तर पर दिन-रात काम हो रहा था और किस तरह स्थिति को संभाला जा रहा था। मेहनत, प्रयास और धैर्य के साथ नीतिगत और कूटनीतिक स्तर पर उठाया गया एक-एक संवेदनशील कदम कभी न कभी इतिहास लिखेगा।

पीएम मोदी ने जताया जनता का आभार

पीएम मोदी ने इस दौरान देश की जनता का आभार भी प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आज, मैं 140 करोड़ देशवासियों का आभार प्रकट करता हूं और उन्हें धन्यवाद कहता हूं। जिस तरह से इस मुश्किल समय में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे, जिस तरह देशवासियों ने अफवाह, डर और भ्रम फैलाने वालों का सामना किया। देश में अस्थिरता फैलाने की साजिशों को नाकाम किया, देश उसी विश्वास के भरोसे आगे बढ़ पाया है।

'इतिहास में दर्ज होगा', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की मिडिल ईस्ट संकट के समय अपनी सरकार की कूटनीति की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की धरती से विरोधियों का नाम लिए बिना निशाना पर साधा है। उन्होंने कहा कि संकट के समय कई राजनीतिक खेल खेले गए।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बालोतरा में शनिवार को मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण पैदा हुआ ऊर्जा संकट से उबरने के लिए अपनी सरकार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने तारीफ करते हुए कहा कि संकट के दौरान भारतीय कूटनीति बेहतरीन प्रदर्शन कर रही थी और जिस तरह से देश ने इस संकट से निपटा है, वह इतिहास की किताबों में दर्ज किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट्स ने एलपीजी की कीमतों के दो हजार रुपये तक पहुंचने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन सरकार के विभिन्न फैसलों, जैसे कि एक दशक से अधिक समय से चल रही दूरदर्शी नीति के कारण यह टल गया।

भारत ने जीत हासिल कर ली है- पीएम

पीएम मोदी ने बालोतरा में कहा, 'पश्चिमी एशिया में युद्ध के कारण पूरी दुनिया में दहशत बना हुई है। हर देश संकट में था, इस जंग ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है। आज प्रमुख देश तेल की कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन 21वीं सदी के नए भारत के दृढ़ संकल्प और प्रयासों ने इन चुनौतियों पर विजय हासिल कर ली है।'

उन्होंने कहा, 'जंग के इस दौर में, अन्य देशों के साथ भारत की मित्रता बहुत उपयोग साबित हुई। जब यह संकट शुरू हुआ, तब भारत 25-26 देशों से तेल और ऊर्जा आयात कर रहा था। लेकिन संकट के समय भारत की कूटनीति का जलवा दिख गया, दूसरे देशों के साथ हमारे संबंध इस संकट की घड़ी में बहुत काम आए।'

बालोतरा को दी कई सौगात

इस मौके पर पीएम मोदी ने बालोतरा में करीब 1.06 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली कई विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाएं में पेट्रोकेमिकल्स, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़कें, रिन्यूएबल एनर्जी एंड पावर ट्रांसमिशन समेत कई सेक्टर शामिल हैं। उन्होंने पचपदरा में भारत की पहली ग्रीनफील्ड इंटेग्रेटेड रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स देश को समर्पित किया।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) और राजस्थान सरकार के जॉइंट वेंचर के तौर पर, 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) क्षमता वाली ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को 79,450 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश से स्थापित किया गया है।

विपक्षियों पर साधा निशाना

पीएम मोदी ने विपक्षियों पर निशाना साधा और ऊर्जा संकट पर कहा, 'बहुत सी अफवाहें फैलाई गईं, लोगों को उकसाया गया और राजनीतिक खेल खेले गए, लेकिन जिनकी नीयत खराब थी, वे सफल नहीं हुए।'

उन्होंने कहा, 'दूर-दराज के इलाकों में थोड़ी-बहुत रुकावटें को छोड़कर, सप्लाई में कोई बड़ी दिक्कत नहीं आई। सिर्फ डीजल और पेट्रोल कंपनियों को ही 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। यह नुकसान एक नई रिफाइनरी बनाने में आने वाले खर्च के बराबर है। सरकार ने इस नुकसान की भरपाई की जिम्मेदारी उठाई। हमने प्रति लीटर 10 रुपये एक्साइज ड्यूटी में कम की, ताकि जनता पर अधिक बोझ न पड़े।'

उन्होंने कहा, 'भारत ने दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि राष्ट्रीय हित और अपने नागरिकों का हित सबसे ऊपर है। हमारा मंत्र है 'नागरिक देवो भव'। देश इस अप्रत्याशित चुनौती से यूं ही नहीं उबर पाया; यह हमारी दूरदर्शी नीतियों की सफलता का ही नतीजा है, जो पिछले एक दशक से चल रहे हैं।'

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची भारत के दौरे पर हैं और नई दिल्ली में गुरुवार को उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसमें दोनों देशों के नेताओं के बीच आर्थिक संबंधों का विस्तार करने और सेमीकंडक्टर के लिए सप्लाई चेन को बढ़ाने समेत टेक्नोलॉजी शेयरिंग पर चर्चा हुई है।

मंच पर भावुक हुए पीएम मोदी, मां को खो चुके कॉन्स्टेबल का बढ़ाया हौसला, तालियों से गूंज उठा पंडाल

(जीएनएस)।

एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानवीय और भावुक पक्ष देखने को मिला। कार्यक्रम में मौजूद एक कॉन्स्टेबल, जिसने हाल ही में अपनी मां को खोया था, भावनात्मक रूप से बेहद व्यथित था। यह जानने के बाद प्रधानमंत्री मोदी उसके पास पहुंचे, उसका हाथ थामा और पीठ थपथपाते हुए कहा, "डरो मत." प्रधानमंत्री के इन शब्दों ने कॉन्स्टेबल को भावनात्मक संबल दिया. इस दृश्य को देखकर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उसका हौसला बढ़ाया. यह भावुक पल सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है और लोग प्रधानमंत्री के संवेदनशील व्यवहार की चर्चा कर रहे हैं.

बाड़मेर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पचपदरा दौरे के दौरान एक ऐसा भावुक पल देखने को मिला जिसने पूरे पांडाल का दिल जीत लिया. नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान जैसे ही कॉन्स्टेबल पिंटाराम गरासिया मंच पर पहुंचे प्रधानमंत्री ने उनका हाथ पकड़कर कहा, 'आप राजस्थान पुलिस के सिपाही होङ्ख डरो मत, आगे तैयारी करो' इतना कहते ही उन्होंने पिंटाराम की पीठ थपथपाकर उनका हौसला बढ़ाया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पचपदरा दौरे के दौरान आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में एक ऐसा भावुक और प्रेरणादायक पल देखने को मिला, जिसने पूरे पंडाल को तालियों की गूंज से भर दिया. किसान पिता के बेटे की सफलता को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सराहा तो हर कोई भावुक हो गया. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बड़ी सौगात देते हुए पचपदरा रिफाइनरी का उद्घाटन किया.

कॉन्स्टेबल पिंटाराम गरासिया का पकड़ा हाथ

पचपदरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न विभागों के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे थे. इसी दौरान राजस्थान पुलिस में चयनित कॉन्स्टेबल पिंटाराम गरासिया जब मंच पर पहुंचे तो प्रधानमंत्री ने उनसे आत्मीयता से बातचीत की. जैसे ही कॉन्स्टेबल पिंटाराम नियुक्ति पत्र लेकर जाने लगे तो प्रधानमंत्री ने उनका हाथ पकड़ लिया.

हौसला अफजाई कर थपथपाई पीठ

प्रधानमंत्री ने उनका हाथ पकड़कर कहा, 'आप राजस्थान पुलिस के सिपाही होङ्ख डरो मत, आगे तैयारी करो.' इसके बाद उन्होंने पिंटाराम की पीठ थपथपाकर उनका उत्साह बढ़ाया है. प्रधानमंत्री के इस आत्मीय व्यवहार ने वहां मौजूद लोगों का दिल जीत लिया और पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा. वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के चेहरे पर भी मुस्कुराहट आ गई.

उदयपुर निवासी है पिंटाराम गरासिया

कॉन्स्टेबल पिंटाराम गरासिया मूल रूप से उदयपुर जिले के रहने वाले हैं. वे अपने परिवार के इकलौते सदस्य हैं जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है. परिवार की आर्थिक परिस्थितियों के बीच उन्होंने कठिन मेहनत कर राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के रूप में चयन हासिल किया है. उनकी माता का पहले ही निधन हो चुका है ऐसे में प्रधानमंत्री से मिले इस सम्मान और प्रोत्साहन ने उनके लिए इस पल को जीवनभर की यादगार बना दिया है. पिंटाराम बताते है कि उनके पिता किसान है और बड़े भाई ने सहयोग कर उन्हें इस काबिल बनाया है.

भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को बड़ी उड़ान, अहमदाबाद में पीएम मोदी ने लॉन्च की असेंबली यूनिट

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में CG SEMI की 7600 करोड़ रुपये की डरअळ फैसिलिटी का उद्घाटन किया. यह प्लांट भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को नई रफ्तार देगा और आने वाले वर्षों में हजारों रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा.

भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को बड़ी मजबूती मिली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में उऋ रएटक प्राइवेट लिमिटेड की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (डरअळ) फैसिलिटी का उद्घाटन किया. 7600 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह प्लांट अब भारत और दुनिया भर के ग्राहकों के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन और सप्लाई करेगा.

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है. साणंद में उऋ रएटक की डरअळ फैसिलिटी चिप मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करेगी, टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता को

बढ़ावा देगी और ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाएगी."

इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत फरवरी 2024 में केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिली थी. उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने प्लांट का दौरा किया और चिप निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं का निरीक्षण भी किया. उनके साथ केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया भी मौजूद रहे.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "सीजी सेमी का यह प्लांट भारत, जापान और थाईलैंड के साझा प्रयास का प्रतीक है. भरोसे और साझेदारी का यह मॉडल भारत को नई गति देगा. महज सवा दो साल में स्क्रैप से स्केल तक इस फैसिलिटी को तैयार किया गया है. आज यहां कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो गया है.

हर साल इस प्लांट से 20 करोड़ चिप्स के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन हमें यहीं नहीं रुकना है. हमारा लक्ष्य हर साल 500 करोड़ चिप्स का उत्पादन करना है, यानी हर दिन 1.5 करोड़ से ज्यादा चिप्स. मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे. सेमिकॉन इंडिया प्रोग्राम अब तेज गति से आगे बढ़ रहा है."

फिलहाल इस प्लांट में 300 से अधिक कर्मचारी काम कर रहे हैं. कंपनी का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में इस परियोजना से करीब 5,000 प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे.

अगले सप्ताह तीन देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी, 6-11 जुलाई तक इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा

(जीएनएस)।

पीएम मोदी अगले हफ्ते इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएंगे. पीएम मोदी 6 जुलाई को दिल्ली से रवाना होंगे. छह, सात और आठ को इंडोनेशिया में रहेंगे. इसके बाद आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएंगे. अपने विदेश दौरे के दौरान पीएम मोदी मेलबर्न में तीसरे इंडिया-आस्ट्रेलिया एनुअल समिट में शामिल होंगे.

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी मेलबर्न में तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. ये 2020 में शुरू किया गया एक सिस्टम है जिसे मंत्रियों के बीच बातचीत का समर्थन हासिल है और इसमें अहम मिनरल्स, साइबर सुरक्षा, सप्लाई चेन की मजबूती और नई तकनीक जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी. पीएम मोदी के आस्ट्रेलिया दौरे की जानकारी देते हुए

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच परमाणु आपूर्ति का द्विपक्षीय समझौता है, लेकिन पिछले कुछ सालों से इसे लागू नहीं किया गया है. मंत्रालय ने उम्मीद है कि यात्रा के दौरान दोनों देशों की बातचीत का कोई नतीजा निकलेगा.

वहीं, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते उनके का अपना पहला आधिकारिक दौरा करेंगे. उन्होंने भारत को दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया